# उसने हमें पवित्रशास्त्र दिया: व्याख्या की नींव

## अध्ययन मार्गदर्शिका

अध्याय आठ:

## आधुनिक उपयोग एवं पुराने नियम के युग

THIRD MILLENNIUM MINISTRIES

Biblical Education. For the World. For Free.

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट में जायें - थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ ऐट थर्ड मिलेनियम

# विषय-वस्तु सूची

**इस अध्याय और मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें ..... 3**

**नोट्स ..... 4**

I. **परिचय** (0:20) 4

II. **युगों का विभाजन** (1:58) 4
- क. विविधताएँ (3:36) 4
- ख. रूपरेखा (8:09) 5
- ग. निहितार्थ (13:40) 6

III. **युगों का विकास** (22:50) 7
- क. पात्र (24:00) 8
- ख. कथानक (30:45) 8
- ग. लेखक (36:07) 10
  1. अतीत के बारे में (37:35) 10
  2. वर्तमान के लिए (40:05) 11
- घ. सम्पर्क (44:43) 12
  1. पृष्ठभूमियाँ (45:31) 12
  2. नमूनें (48:40) 12
  3. पूर्वानुमान (54:45) 13

IV. **सारांश** (57:49) 14

**पुनर्विचार हेतु प्रश्न ..... 15**

**लागू करने हेतु प्रश्न ..... 19**


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

**इस अध्याय और मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें**

इस अध्ययन मार्गदर्शिका को सम्बद्ध वीडियो अर्थात् चलित दृश्य अध्यायों के साथ संयुक्त रूप में उपयोग करने के लिए निर्मित किया गया है। यदि आपके पास वीडियो उपलब्ध नहीं हैं, तो यह अध्ययन मार्गदर्शिका ऑडियो अर्थात् श्रव्य अध्याय और/या अध्याय की मूल प्रतियों के संस्करणों के साथ कार्य करने के लिए भी सहायता देंगे। इसके अतिरिक्त, अध्याय और मार्गदर्शिका की मंशा एक सीखने वाले समुदाय के उपयोग के लिए की गई है, परन्तु साथ ही इनका उपयोग यदि आवश्यक है तो व्यक्तिगत् अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

---

- **इससे पहले कि आप अध्याय को देखें**
    - **स्वयं को तैयार करें** – किसी भी अनुशंसित अध्यायों को पढ़ कर पूरा कर लें।
    - **देखने के लिए समय निर्धारित करें** – इस मार्गदर्शिका के नोट्स खण्ड में, अध्याय को उन भागों में विभाजित किया गया है जो कि वीडियो के साथ सम्बद्ध हैं। प्रत्येक मुख्य भाग के साथ दिए हुए लघुकोष्ठकों में दिए हुए समय कोड्स का उपयोग, यह निर्धारित करता है कहाँ से अध्याय देखना आरम्भ किया जाए और कहाँ देखना समाप्त होता है। थर्ड मिलेनियम के अध्याय सघनता से सूचनाओं के साथ भरे हुए हैं, इसलिए हो सकता है कि आप इसे कई टुकड़ों में देखना चाहेंगे। इन टुकड़ों को मुख्य भागों के अनुसार होना चाहिए।
- **जब आप अध्याय को देख रहे हैं तब**
    - नोट्स बनाएं — अध्ययन मार्गदर्शिका के नोट्स खण्ड अध्याय की मूल रूपरेखा की जानकारी रखते हैं, जिसमें प्रत्येक खण्ड को आरम्भ किए जाने के लिए समय कोड्स और कुँजी नोट्स सम्मिलित हैं जो कि आपका मार्गदर्शन इन सूचनाओं के लिए करेंगे। अधिकांश मुख्य विचारों को पहले से ही सारांशित कर दिया गया है, परन्तु इन्हें स्वयं के नोट्स के द्वारा पूरक किया जाना सुनिश्चित करें। आपको समर्थन देने वाली अतिरिक्त सामग्री को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को स्मरण करने, विवरण देने से और इनका बचाव करने में सहायता प्रदान करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिख लें** – जब आप वीडियो को देखते हैं, तब हो सकता है कि जो कुछ आप सीख रहे हैं उसके प्रति आपके पास टिप्पणियाँ और/या प्रश्न हों। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को हाशिये में लिखें ताकि इन्हें आप अध्याय को देखने के पश्चात् समूह के साथ साझा कर सकते हैं।
    - **अध्याय के भागों को देखते समय लघु ठहराव/पुन: आरम्भ बटन का उपयोग करें –** आप पाएंगे कि कुछ निश्चित स्थानों पर पुनर्विचार के लिए कठिन अवधारणाएँ, या रूचिपूर्ण बातों पर विचार विमर्श या अतिरिक्त नोट्स लिखने के लिए वीडियो का लघु ठहराव या इसे पुन: आरम्भ करना सहायतापूर्ण है।
- **आपके द्वारा अध्याय को देख लेने के पश्चात्**
    - **पुनर्विचार के लिए प्रश्नों को पूरा करें** – पुनर्विचार के लिए प्रश्न अध्याय की मूल विषय-वस्तु के ऊपर आधारित है। आपको उपलब्ध किए हुए स्थान में पुनर्विचार के प्रश्नों के उत्तर को देना चाहिए। इन प्रश्नों को एक समूह की अपेक्षा व्यक्तिगत् रूप से पूरा किया जाना चाहिए।
    - **उपयोग के लिए प्रश्नों का उत्तर दें/विचार विमर्श करें** – उपयोग हेतु प्रश्न ऐसे प्रश्न हैं जो कि इस अध्याय की विषय-वस्तु के साथ सम्बद्ध होते हुए मसीही जीवन यापन, धर्मविज्ञान और सेवकाई से सम्बधित हैं। उपयोग हेतु प्रश्न लिखित गृहकार्यों या समूह के विचार विमर्श के लिए विषयों के लिए उपयुक्त हैं। क्योंकि लिखित गृहकार्यों के लिए, यह अनुशंसा की जाती है कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बा नहीं होना चाहिए।

© 2013 थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ के द्वारा
www.thirdmill.org

# नोट्स

## I. परिचय (0:20)

जब बात हमारे दिनों में पुराने नियम को लागू करने की आती है, तो हमें कभी भी अतीत की ओर नहीं जाना चाहिए, परन्तु हमें कभी भी अतीत को भूलना नहीं चाहिए।

## II. युगों का विभाजन (1:58)

महत्वपूर्ण धर्मवैज्ञानिक परिवर्तन युगों के विभाजनों की पहचान के लिए आधार हैं।

प्रत्येक युग एक ऐसे समय की अवधि होती है जिसमें पुराने नियम के धर्मविज्ञान को पर्याप्त और लम्बे समय रहने वाले स्थाई परिवर्तन के द्वारा रूपरेखित किया जाता है।

### क. विविधताएँ (3:36)

धर्मशास्त्रियों ने पुराने नियम में पाए जाने वाले इतिहास को विभिन्न तरीकों से विभाजित किया हुआ पाया है।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

धर्मवैज्ञानिक विभाजनों के ऊपर सदैव सहमत नहीं होते हैं क्योंकि पुराने नियम का धर्मविज्ञान विभिन्न समयों में विभिन्न तरीकों से विकसित हुआ है।

## ख. रूपरेखा (8:09)

पुराने नियम के इतिहास का विभाजन करने के लिए सबसे लोकप्रिय तरीकों में से एक प्रत्येक युग को परमेश्वर की एक वाचा के साथ सम्बद्ध कर देने का है।

पुराने नियम की छः मुख्य दिव्य वाचाएँ:

- आदम (उत्पत्ति 1-3; होशे 6:7)।
- नूह (उत्पत्ति 6:18; 9:9-17)।
- अब्राहम (उत्पत्ति 15:18; 17:2)।
- मूसा (निर्गमन 19-24; गिनती 25:13)।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

- दाऊद (2 शमूएल 7; भजन संहिता 89 और 132)।

- नई वाचा (यिर्मयाह 31:31; यशायाह 54:10; यहेजकेल 34:25; लूका 2:20; इब्रानियों 8:6-12)।

ये वाचाएँ ऐसे समयों को प्रस्तुत करती हैं जब परमेश्वर इतिहास में बड़े शक्तिशाली रूप से चलित हुआ और ये लम्बे-समय तक स्थाई बने रहने वाले धर्मवैज्ञानिक महत्व को परिचित कराती हैं।

### ग. निहितार्थ (13:40)

पुराने नियम के युगों का विभाजन यह स्पष्ट करता है कि परमेश्वर उसके लोगों को चाहता है कि वे विभिन्न समयों में विभिन्न तरीकों से दिए हुए धर्मवैज्ञानिक विषयों को समझें और उन्हें लागू करें।

एक बार जब परमेश्वर ने आराधना में बलिदान को नए तरीके से चढ़ाने का आदेश दिया, तो वह उसके लोगों से अपेक्षा करता है कि वे पुराने तरीकों की ओर कभी भी नहीं जाएंगे।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

मसीह के बलिदान ने पहले के सभी तरह के बलिदानों के प्रकारों का स्थान ले लिया है (इब्रानियों 8:13)।

पुराना नियम अप्रासंगिक नहीं है; इसकी अपेक्षा यह कि हम एक भिन्न युग में रहते हैं।

नई वाचा के अधीन रहते हुए लोगों के रूप में, हम यीशु का अनुसरण करते हैं, जो कि दाऊद का महान् पुत्र है, जबकि वह ही उसके लोगों को बुराई की शक्तियों के विरूद्ध युद्ध करने के लिए मार्गदर्शन देता है।

## III. युगों का विकास (22:50)

आरम्भिक और उत्तरोत्तर पुराने नियम के युगों में असँख्य धर्मवैज्ञानिक भिन्नतायें हैं ये धर्मवैज्ञानिक परिवर्तन एक वृद्धि करते हुए विश्वास के जैविक विकास का प्रतिबिम्ब है।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

**क. पात्र (24:00)**

पवित्रशास्त्र के वर्णित पूरे इतिहास में, वही दो पात्र, परमेश्वर और शैतान, अच्छाई की शक्तियों और बुराई की शक्तियों के मध्य बड़े संघर्ष में सम्मिलित रही हैं।

अच्छाई की शक्तियों को नेतृत्व प्रदान करने वाला कहानी का नायक, अर्थात् सृष्टिकर्ता-राजा है।

बुराई की शक्तियों का नेतृत्व सृजित शैतान है जो परमेश्वर को उसके लक्ष्य की प्राप्ति को पाने से रोकता है।

**ख. कथानक (30:45)**

पवित्रशास्त्र की कहानी एक एकीकृत, सभी-को अपने में एकत्र करता हुआ कथानक यह दिखाता है कि कैसे परमेश्वर उसकी महिमा का विस्तार अनन्त प्रशंसा को प्राप्त करने के लिए कर रहा है।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

युग बाइबल की कथा में मुख्य "अध्याय" :

- आदम : आदम और हव्वा का कार्य पवित्र बाग की सीमाओं को भरने और पृथ्वी को अपने अधीन कर लेने के द्वारा इसका विस्तार करने के लिए किया गया था।

- नूह : मानव प्राणियों को इस पृथ्वी को भरने और इसे अपने अधीन करते हुए इसकी भ्रष्टता का विरोध करना था।

- अब्राहम : अब्राहम के परिवार के अंश को स्त्री के बीज में से चुना जो कि मानव को शैतान और उसके अनुयायियों को संघर्ष में नेतृत्व प्रदान करेगा।

- मूसा : परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्थापित और उन्हें उनके अन्तिम लक्ष्य परमेश्वर के राज्य को इस पूरी पृथ्वी के ऊपर विस्तारित करने की ओर प्रेरित किया।

- दाऊद : दाऊद के राजवंश को परमेश्वर के लोगों के ऊपर राज्य करने के लिए और उन्हें उन राष्ट्रों के विरूद्ध संघर्ष करने के लिए अभिषिक्त किया गया है, जो शैतान की सेवा करते थे।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

- नई वाचा : मसीह सब बातों को नया करते हुए, पृथ्वी पर रहनेवाले सभी लोगों के ऊपर राज्य करेगा।

इतिहास की ये प्रत्येक अवस्था पवित्रशास्त्र की एकीकृत, विकसित होती हुई चरमोत्कर्ष की ओर बढ़ने वाली कहानी के लिए संचयी योगदान देती है।

**ग. लेखक (36:07)**

पुराने नियम के लेखकों ने निरन्तर उत्तरोत्तर में आने वाले पाठकों के लिए पूर्वोत्तर युगों को उपयोग किया।

**1. अतीत के बारे में (37:35)**

पुराने नियम की सभी पुस्तकें मूल रूप में अतीत के बारे में बात करती हैं।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

दाऊद की वाचा के युग में लिखी गई पुराने नियम की पुस्तकें भी उनके श्रोताओं को अतीत की ओर ले चलती हैं।

**2. वर्तमान के लिए (40:05)**

पवित्रशास्त्र के लेखकों ने उनके अपने समकालीन श्रोताओं के लिए लिखा था।

बाइबल के लेखकों ने अतीत को इस तरह से लिखा जो उनके मूल श्रोताओं के जीवनों के साथ सम्पर्कों का निर्माण करते हैं।

आधुनिक विश्वासियों को भी उन अतीत के बारे में लिखे गए लेखों में से स्वयं को सम्बन्धित करना चाहिए।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

**घ. सम्पर्क (44:43)**

**1. पृष्ठभूमियाँ (45:31)**

पुराने नियम के लेखकों ने अतीत को प्रासंगिक उनके श्रोताओं के वर्तमान के अनुभवों के उद्भव या पृष्टभूमियों का स्पष्टीकरण देते हुए प्रदर्शित किया।

बाइबल के लेखकों ने पृष्ठभूमियाँ को इस तरीके से उपयोग किया है जो कि परमेश्वर के द्वारा ऐतिहासिक पात्र को स्वीकार किए जाने या अस्वीकार किए जाने को प्रकाशित करता है।

**2. नमूनें (48:40)**

पुराने नियम के लेखकों ने उनके मूल दर्शकों के लिए नमूनों को प्रस्तुत किया जिनकी वे या तो नकल कर सकते हैं या फिर अस्वीकार कर सकते हैं।

उदाहरण : यरीहो के लिए लड़ाई (सकारात्मक नमूनाा)


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

उदाहरण : ऐ की लड़ाई (नकारात्मक नमूना)

वे सम्पर्क जिन्हें यहोशू का लेखक उसके मूल श्रोताओं के लिए रेखांकित करता है आधुनिक विश्वासियों को उनकी अपनी परिस्थितियों में उन विवरणों को निर्धारित करने में सहायता करता है।

**3. पूर्वानुमान (54:45)**

बाइबल के लेखकों ने निरन्तर अतीत के बारे में इस तरीके से लिखा जिसमें उन्होंने यह संकेत दिया कि कैसे ये उनके श्रोताओं की परिस्थितियों के सदृश थीं जिनका वे सामना कर रहे थे।

प्रतिछाया : एक लेखक कहानी के आरम्भिक विवरणों को इस तरीके से प्रस्तुत करता है जो कि उत्तरोत्तर विवरणों को पूर्वाभासित करते हैं।


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

आधुनिक उपयोग में हमारा कार्य उन सम्पर्कों को देखना है जो बाइबल के लेखकों ने उसके मूल श्रोताओं से उनके आधुनिक जीवनों के लिए विस्तारित करने के लिए निर्मित किए हैं।

**IV. सारांश (57:49)**


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

## पुनर्विचार हेतु प्रश्न

1. उन विभिन्न तरीकों का विवरण दें जिनमें धर्मशास्त्रियों ने पुराने नियम के इतिहास को विभाजित किया और इनकी विविधता के कारणों की व्याख्या करें।

2. पुराने नियम में दी हुई मुख्य दिव्य वाचाओं की सूची बनाएं और विवरण दें।

© 2013 थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ के द्वारा
www.thirdmill.org

3. ऐसे कुछ मुख्य कारण कौन से हैं कि क्यों नए नियम के विश्वासियों को पवित्रशास्त्र को लागू नहीं करना चाहिए जैसा कि वे इतिहास के पूर्वोत्तर अवधियों में रह रहे हों? अपने उत्तर में बाइबल के कुछ उदाहरणों को सम्मिलित करें।

4. पुराने नियम के युगान्तकारी घटनाक्रम में घटित होने वाली घटनाओं के पीछे दो कार्यरत् मुख्य पात्रों का वर्णन करें। वे कौन हैं, उनका मुख्य उद्देश्य क्या है, और वे कैसे अपने लक्ष्यों तक पहुँचने के लिए कार्यरत् हैं?


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

5. पवित्रशास्त्र की विकसित होती हुई कहानी की व्याख्या करें, और खोज करें कि कैसे बाइबल के इतिहास की प्रत्येक अवस्था पूर्ण, एकीकृत कथा में योगदान देती है।

6. क्यों पुराने नियम के लेखकों ने पूर्वोत्तर के युगों को उनके अपने समय के श्रोताओं के लिए उपयोग किया है?


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

7. किस तरह के सम्पर्कों को बाइबल के लेखक अतीत और वर्तमान के मध्य में रेखांकित करते हैं, और कैसे आधुनिक पाठकों को इन सम्पर्कों के प्रति प्रतिक्रिया व्यक्त करनी चाहिए?


© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2014 के द्वारा

# लागू करने हेतु प्रश्न

1. कैसे पुराने नियम के युगों का विभाजन पुराने नियम के धर्मविज्ञान के प्रति आपकी समझ को प्रभावित करता है?

2. अब्राहम ने परमेश्वर की वाची प्रतिज्ञा में विश्वास किया और अन्त तक परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य रहा। वे कौन से कुछ विशेष तरीके हैं जिनमें आप आपके वर्तमान की परिस्थितियों में परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्यता को दर्शाने में प्रदर्शित करते हैं?

3. कैसे आप आपके जीवन में पुराने नियम की शिक्षाओं को बिना अतीत में रहते हुए लागू कर सकते हैं यह मानते हुए कि आप अतीत में थे?

4. पवित्रशास्त्र आवश्यक रूप से परमेश्वर और शैतान के मध्य के आत्मिक संघर्ष की कहानी है। कैसे ये वास्तविताएँ उस तरीके को प्रभावित करती हैं जिसे हम बाइबल के उपयोग के लिए प्रयोग करते हैं?

5. पुराने नियम की शिक्षाओं की व्याख्या करते समय आपने कौन सी कुछ चुनौतियों का सामना किया है? किस तरह से आपको इन चुनौतियों का सामना करना चाहिए?

6. क्या हमें *सदैव* बाइबल की एक, एकीकृत कथा के ऊपर ध्यान देना चाहिए जब हम बाइबल की व्याख्या करते हैं? क्यों और क्यों नहीं? अपने विचारों के समर्थन में कुछ उदाहरणों को दें।

7. किस तरह से पुराने नियम के सिद्धान्त आपकी वर्तमान की सेवकाई और परिस्थितियों में आपको मार्गदर्शन दे रहे हैं?

8. क्या पुराने नियम के लोगों के संघर्ष और परिस्थितियों की जानकारी उस समय सहायता करती है जब आप अपने जीवन की कठिनाइयों का सामना कर रहे होते हैं ? अपने उत्तर का वर्णन करें।

9. किस तरह से जो कुछ परमेश्वर ने अतीत में किया के ऊपर ध्यान देना पवित्रशास्त्र को आपकी वर्तमान की परिस्थितियों में लागू करने में आपकी सहायता करता है?

10. कौन से सेवकाइयों में आप वर्तमान में सम्मिलित हैं और कैसे आप अन्यों की सहायता पुराने नियम की कहानियों को उनके आधुनिक संसार में लागू करने में कर रहे हैं।

11. इस अध्याय से कौन सी सबसे महत्वपूर्ण बात को आपने सीखा है?

© 2013 थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ के द्वारा
www.thirdmill.org